केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 143 शनिवार 13 दिसम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दुष्कर्म, वसूली मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र में एक युवती को नशीली चाय पिलाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 45 हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि ग्राम सोमा निवासी 28 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार ने उसे लगभग 5 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र में बुलाया। वहां आरोपी ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। पीड़िता के बेहोश होने पर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील तस्वीरें व वीडियो बना लिए। होश में आने के बाद आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता पर लगातार दबाव बनाया और उससे 45,000 रुपये वसूल लिए। सामाजिक बदनामी के डर से पीड़िता तुरंत पुलिस के पास नहीं जा सकी। हालांकि, उत्पीड़न बढ़ने पर उसने न्यायालय में अर्जी दी, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने यह मुकदमा दर्ज किया है।

थानाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

पैंड़ा धाम के विशाल भंडारे में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साऊघाट क्षेत्र के ग्राम पंचायत पैंड़ा खरहरा स्थित पैंड़ा धाम के संत शिरोमणि रविदास जी महाराज स्थल पर एक जागरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के प्रसिद्ध लोक गायक एवं अभिनेता आर्यन बाबू ने अपने भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में स्थानीय महिला, पुरुष, बच्चे और छात्र–छात्राओं सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। आर्यन बाबू के गीतों पर श्रोता झूमते नजर आए और उन्होंने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

ठंड से बचाव के लिये व्यवस्था करने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के कारण निराश्रित असहाय एवं समाज के कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने हेतु कम्बल वितरण एवं रैन बसेरों की व्यवस्था हेतु कार्यवाही किये जाने की अपेक्षा है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) प्रतिपाल सिंह चौहान ने मुख्य चिकित्साधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी एवं समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत को निर्देशित किया है कि इस हेतु पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

उन्होने बताया है कि आश्रयहीन व्यक्तियों हेतु कम्बल वितरण एवं रैन बसेरों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। कोई भी व्यक्ति रात में सड़क अथवा फुटपाथ पर सोने के लिए बाध्य न हो। इन रैन बसेरों, शेल्टर होम में रुकने वाले कमजोर वर्ग के लोगों को ठण्ड से बचाने के लिए आवश्यक समस्त उपाय में रुकने वाले कमजोर वर्ग के लोगों को ठण्ड से बचाने के लिए आवश्यक समस्त उपाय का प्रबन्ध निःशुल्क किया जाये ।

देश की पहली डिजिटल जनगणना के लिए 11 हजार करोड़ के बजट को मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। देश में जनगणना 2027 के लिए 11 हजार करोड़ के बजट को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में कुछ अहम फैसले लिए गए। इनमें जनगणना को लेकर भी

कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए गए और बैठक में इस प्रक्रिया के लिए बजट को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री ने बताया, "जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपए का बजट अप्रूव किया गया है।"

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि 2027 में होने वाली जनगणना पहली डिजिटल जनगणना होगी। उन्होंने बताया कि 'जनगणना 2027' दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसके तहत अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार की जाएगी। वहीं फरवरी 2027 में जनगणना शुरू हो जाएगी। इसके अलावा जातिगत जनगणना भी इसका हिस्सा होगी।

घटिया निर्माण कराने से रोका तो मिली धमकी: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ नगर पालिका अध्यक्ष वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर निवासी अभिषेक वर्मा पुत्र चन्द्र किशोर वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में अभिषेक वर्मा ने कहा है कि वाल्टरगंज बाजार में ग्राम प्रधान अमरनाथ चौधरी द्वारा हनुमान मंदिर गली में सरकारी धन से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसमें घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग हो रहा है। इसे देखकर उन्होने ग्राम प्रधान और उनके सहयोगी राम सजीवन चौधरी से कहा कि मन्दिर का रास्ता है इसलिये इसके निर्माण कार्य में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रयोग करते हुये अच्छी सड़क का निमार्ण कार्य कराया जाना चाहिये ।जिस पर ग्राम प्रधान अमरनाथ चौधरी पुत्र हीरा लाल चौधरी वो शिवम् चौधरी पुत्र अमरनाथ चौधरी वो राम सजीवन चौधरी निवासी श्रीपालपुर ने नाराज होकर भद्दी–भद्दी गालियां वो जान से मार डालने की धमकिया देते हुये

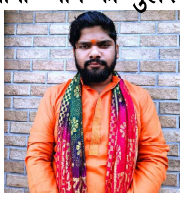

मारने के लिए दौड़ा लिया। अमरनाथ चौधरी ने यह भी धमकी दिया कि तुमको हरिजनो से पिटवा कर तुम्हारी नेतागीरी भुलवा दूँगा और प्रधानी चुनाव से पहले तुम्हारी हत्या करवा दूँगा। पत्र में अभिषेक वर्मा ने कहा है कि यदि उनके साथ कोई अन होनी घटना घटित होती है जो उसके लिये अमरनाथ चौधरी को जिम्मेदार माना जाय। उनसे जान माल का खतरा है। अभिषेक वर्मा ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई कराने के साथ ही अपने और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

घने कोहरे के कारण पांच वाहन भिड़ें, चालक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के कारण लुंबिनी–दुद्धी मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बेईली गांव के पास करीब पांच वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें एक पिकअप चालक मनीष कुमार की मौत हो गई। यह दुर्घटना सुबह उस समय हुई जब दृश्यता लगभग शून्य हो गई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर के चिकित्सक डॉ. प्रभाकर चौधरी की कार भी क्षतिग्रस्त हुई, हालांकि वे सुरक्षित बच गए।

हादसे में बारीजोत थाना नगर निवासी पिकअप चालक मनीष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पिकअप सड़क किनारे मुड़कर पूरी तरह टूट गई थी। पुलिस और ग्रामीणों को उन्हें वाहन से निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष कलवारी गजेंद्र प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत–बचाव कार्य शुरू कराया। रामजानकी मार्ग के 'देवदूत' कहे जाने वाले डॉ. प्रेम त्रिपाठी भी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल मनीष को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाने में मदद की। मनीष को पहले सीएचसी कलवारी ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान मनीष ने दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के कारण लुंबिनी–दुद्धी मार्ग पर लंबा जाम लग गया, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद खुलवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घने कोहरे के कारण चालक वाहनों के बीच की दूरी का अनुमान नहीं लगा पाए, जिससे यह हादसा हुआ।

महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ आर्य समाज का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर्य वीर दल शौर्य प्रदर्शन व चतुर्वेद शतकम महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ आर्य समाज नई बाजार बस्ती का 52वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना ने आर्य वीरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आर्य वीर और वीरांगनाओं ने प्राचीनकाल से ही राष्ट्र रक्षा में अपने जीवन की आहुति दी है। वैदिक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करके ही वशिष्ठ आश्रम में राम, संदीपनी आश्रम में श्रीकृष्ण और चाणक्य आश्रम में चन्द्रगुप्त आदि का निर्माण होता है जिन्होने अपने ज्ञानबल से अज्ञान, क्षात्रबल से अन्याय व धनबल से अभाव को दूर किया है। मुख्य वक्ता आचार्य शैलेन्द्र ने कहा कि आज देश में ऐसे चरित्रवान युवाओं की आवश्यकता है जो देश धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार हो। आचार्य शिव कुमार ने कहा आर्य वीर दल से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। इसे पूर्व विद्यालय की शिक्षिका अनीशा मिश्रा ने जिलाधिकारी महोदया का ओम पट्टिका से स्वागत किया। दिनेश आर्य प्रशिक्षक आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के सानिध्य में आर्य वीर वीरांगनाओं ने सर्वांग सुन्दर व्यायम, लाठी, तलवार, आसन स्तूप का प्रदर्शन किया। उत्तम प्रदर्शन करने वाली पायल, तुलसी और अवंतिका को जिलाधिकारी महोदया ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सबसे वरिष्ठ आर्य वीर राज रतन सेन सिंह और सबसे छोटे आर्य वीर प्रथम को सम्मानित किया गया।

अंत में ओम प्रकाश आर्य ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी लोगों के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया।

मोटर साइकिल की चोरी: एसपी से मुकदमा दर्ज कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के अकारी निवासी सचिन पुत्र राजाराम ने एसपी को पत्र देकर कहा है कि वे गांव के ही नीलम पत्नी राकेश की मोटर साईकिल लेकर 2 दिसम्बर को बस्ती आये थे। उन्होने हीरो स्पेलेन्डर मोटरसाईकिल यू.पी. 51 ए जेड 4044 को मालवीय रोड स्थित गीतांजलि पैलेस के सामने खड़ा किया था। काम से वापस आने के बाद मोटरसाईकिल वहां से गायब थी। उन्होने 112 नम्बर पर पुलिस को मामले की सूचना दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में देखा कि एक अज्ञात व्यक्ति मोटर साईकिल चुरा कर ले जा रहा है। मामले की लिखित तहरीर रौता चौराहा पुलिस चौकी और कोतवाली को दिया किन्तु 10

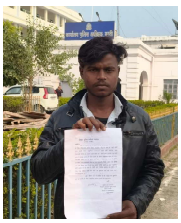

दिन बीत जाने के बाद पुलिस ने न तो मुकदमा दर्ज किया और न ही मोटसाईकिल बरामद हुई। उन्होने एसपी से मांग किया है कि मोटरसाईकिल चोरी का मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही उसे बरामद कराया जाय।

कलंक: 3 बच्चों को दफनाने की कोशिश करने का आरोपी पिता गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जिले के परसरामपुर थाना क्षेत्र में एक पिता द्वारा अपने तीन नाबालिग बच्चों को गड्ढे में दफनाने का प्रयास करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चों को बचा लिया और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, नंदनगर निवासी मोहम्मद इरफान हाशमी अपनी पत्नी से कई महीनों से घरेलू विवाद कर रहा था। लगभग एक सप्ताह पहले उसने अपनी पत्नी की भी पिटाई की थी, जिसके बाद वह अपने एक बच्चे को लेकर मायके चली गई थी। घर में मौजूद तीन

अन्य बच्चों के साथ आरोपी इरफान ने 10 दिसंबर को उन्हें बेरहमी से पीटा। इसके बाद उसने कथित तौर पर घर में गड्ढा खोदकर बच्चों को उसमें दफनाने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही हरैया क्षेत्राधिकारी स्वर्णिमा सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों बच्चों को सुरक्षित बचाया और उन्हें चिकित्सा परीक्षण के लिए भेजा।

सीओ स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि पुलिस ने समय पर कार्रवाई कर बच्चों की जान बचाई है। आरोपी इरफान को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है। बच्चों की सुरक्षा और उनकी आगे की काउंसिलिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है।

यूपी में भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा 14 को, चर्चा में हैं कई नाम

लखनऊ (आभा)। यूपी में नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नाम का जल्द ही ऐलान हो जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। चुनाव में शामिल होने के लिए संगठन के बड़े नेता बीएल संतोष लखनऊ पहुंच चुके हैं। शनिवार को नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कल की नामांकन की जांच और नामांकन पत्र वापसी होगी। अगले दिन 14 दिसंबर को भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। पार्टी ने इस प्रोसेस के लिए यूनियन मिनिस्टर पीयूष गोयल और ठश्रर के नेशनल जनरल सेक्रेटरी विनोद तावड़े को इलेक्शन ऑफिसर अपॉइंट किया है। अगर एक से ज्यादा उम्मीदवारों ने नामांकन किया तो इस स्थिति में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को चुनने को लेकर दूसरी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

यूपी में अभी भूपेंद्र चौधरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। अब नया प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना है। अभी यूनियन मिनिस्टर पंकज चौधरी, बी.एल. वर्मा, राम शंकर कठेरिया और धर्मपाल सिंह यूपी बीजेपी प्रेसिडेंट पद की रेस में चल रहे हैं। इनमें से कोई एक व्यक्ति को यूपी में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इसको लेकर कल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। फिलहाल वोटिंग की उम्मीद कम ही लगी रही

है। अगर एक से ज्यादा उम्मीदवारों के नामांकन आते हैं तो वोटिंग की स्थिति बनेगी। वोटिंग में यूपी के पांच सांसद महेश शर्मा, सत्यपाल सिंह बघेल, देवेंद्र सिंह भोला, कमलेश पासवान, विनोद कुमार बिंद के अलावा आठ एमएलसी, 28 विधायक और 425 डिस्ट्रिक्ट और रीजनल प्रेसिडेंट को वोटिंग के लिए बुलाया जाएगा। बतादें कि ट्रेडिशनली, ठश्रर स्टेट प्रेसिडेंट को बिना किसी विरोध के चुना जाता है और चुनाव की जरूरत बहुत कम पड़ती है। इसके बावजूद, पार्टी ने चुनाव के लिए एलिजिबल वोटर्स की लिस्ट जारी कर दी है। यूपी भाजपा में संगठनात्मक चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया अब आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। 16 दिसंबर खरमास से पहले भाजपा अपना प्रदेश अध्यक्ष चुन लेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि 13 दिसम्बर को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया दोपहर एक बजे से दो बजे तक भाजपा के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित होगी। केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की मौजूदगी में नामांकन पत्र लिए जाएंगे। वहीं, केंद्रीय चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल 14 दिसम्बर को निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराएंगे। उसी दिन प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की औपचारिक घोषणा भी कर दी जाएगी। भाजपा के भीतर लंबे समय से चल रही अध्यक्ष चयन प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है, और पार्टी नेतृत्व 2027 विधानसभा चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए नए अध्यक्ष के नाम को अंतिम रूप देने जा रहा है।

711 करोड़ रुपए की लागत से 14 सड़कों के निर्माण को मंजूरी

लखनऊ (आभा)। यूपी के मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू) शिथिलीकरण की बैठक में यूपी में 711 करोड़ रुपए की लागत से 14 सड़कों को मंजूरी दी गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सभी स्वीकृत परियोजनाएं तय समय के अंदर पूरी की जाएं। इन परियोजनाओं के पूरी होने से संबंधित क्षेत्रों में यातायात सुगम होगा, यातायात जाम की समस्या से स्थायी निजात मिलेगी और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिलेगा।

रामपुर में 8545.39 लाख रुपये से शाहबाद–रामपुर–बाजपुर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या–144) के तहसील स्वार में 8.500 किलोमीटर लम्बा बाईपास, आगरा में 2449.12 लाख रुपए से कस्बा बरहन का 3.950 किलोमीटर बाईपास तथा 5330.00 लाख रुपये से कस्बा कागारोल का 5.000 किलोमीटर बाईपास, बदायूं में 7502.50 लाख रुपए से बदायूं–बिजनौर मार्ग से बिल्सी नगर तक 7.00 किलोमीटर बाईपास और 4220.00 लाख रुपए से पुवायां–तिलहर–दातागंज–बदायूं मार्ग (राज्य मार्ग–126) के दातागंज आबादी भाग में 9.000 किलोमीटर बाईपास का निर्माण होगा। मथुरा में 12526.22 लाख रुपए से बरसाना बाईपास मार्ग का 6.600 किलोमीटर चार लेन निर्माण, गोंडा में 2042.03 लाख रुपए से परसपुर 5.000 किलोमीटर बाईपास, उन्नाव में 2294.88 लाख रुपए से निर्माण होगा।

विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों की सेवा बहाल करने की मांग: आम आदमी पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों की सेवा बहाल किये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

4 सूत्रीय मांग पत्र में कहा गया है कि विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों की सेवा बहाल करने के साथ ही उनका उत्पीड़न बंद किया जाय। ज्ञापन देने के बाद आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि बिजली विभाग में संविदा कर्मचारियों के साथ मनमानी हो रही है। उनका नियम विरुद्ध ढंग से काम से निकाला जा रहा है और विभाग अधिकारी इस पर चुप्पी साधे हुये हैं। सरकार इस समस्या का हल निकाले।

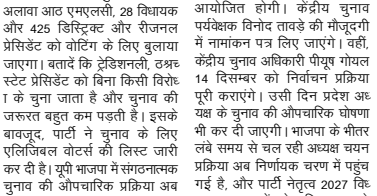

ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से विजय कुमार, शेषपाल चौधरी, प्रेमचन्द्र चौधरी, वीरेन्द्र कुमार यादव, उमेश शर्मा के साथ ही विद्युत विभाग से निकाले गये संविदा कर्मी राम सकल मौर्य, नकुल चौधरी, शत्रुघ्न चौधरी, अशोक कुमार, रमेश चन्द्र चौधरी, दिनेश कुमार, शिवनन्द पाठक, प्रमोद, मुकेश कुमार, छोटेलाल, जगदम्बा प्रसाद, महेश, हरिवचन आदि शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बौद्ध प्रान्त कुलदीप जायसवाल, सचिव पतिराम आजाद, जिला उपाध्यक्ष राम सजन सूर्यवंशी ने कहा कि विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारी खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उनका परिवार परेशान है। कहा कि संविदा कर्मियों को लेकर सरकार उनके सुरक्षा का भी पूरा प्रबन्ध करे ।

डायट में जनपद स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को जनपद स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में किया गया। जिसमें जनपद के सभी ब्लॉकों से शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। पुरुष वर्ग में विक्रमजोत ब्लॉक के हरीश कुमार प्रथम, बनकटी ब्लॉक के अमित कुमार द्वितीय और कुदरहा ब्लॉक के अजीत कुमार तृतीय स्थान पर रहे। वहीं महिला वर्ग में साऊंघाट ब्लॉक की पूनम चौधरी और निवेदिता श्रीवास्तव क्रमशः प्रथम और द्वितीय तथा कप्तानगंज ब्लॉक की शिखा त्रिपाठी तृतीय स्थान पर रहीं। योग प्रतियोगिता के मूल्यांकन टीम में डॉ नवीन सिंह, धुव चंद यादव, संध्या त्रिपाठी, शशि आदि शामिल रहे।

डायट प्राचार्य ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आत्मिक कल्याण के लिए है, जो शरीर को लचीला, मजबूत और स्वस्थ बनाता है, तनाव, चिंता कम करता है, एकाग्रता बढ़ाता है, और मन–शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित कर जीवन में शांति और सकारात्मकता लाता है, जिससे समग्र स्वास्थ्य और आत्म–नियंत्रण में सुधार होता है। नोडल प्रवक्ता अमन सेन द्वारा अष्टांग योग चर्चा पे चर्चा किया गया।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द प्रसाद, डॉ रविनाथ, कल्याण पाण्डेय, अलीउद्दीन खान, कुलदीप चौधरी, वर्षा पटेल, अमन सेन, सरिता चौधरी, वंदना चौधरी, मो इमरान खान, अनिल चौधरी, नवनीत कुमार आदि उपस्थित रहे है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 दिसम्बर 2025 शनिवार

सम्पादकीय

स्वास्थ्य सेवाओं के यक्ष प्रश्न

देश यह बहस और तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को एक न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जाए। क्या न्यायपालिका इस अधिकार को मदवितबम करा सकेगी, जब व्यवस्था ही बुनियादी रूप से असमान, महंगी और निजीकरण–प्रधान हो चुकी हो? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं है, यह गहराई से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक है। क्योंकि अधिकार तभी सार्थक होता है जब राज्य उसे प्रदान करने की सामर्थ्य और इच्छा दोनों रखता हो।

भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से एक स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि राज्य अभी तक ऐसी बाध्यकारी जिम्मेदारी स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है जिसमें हर नागरिक को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक इसे एक इंफोर्सेअब्ले राइट नहीं बनाया जाएगा, तब तक असमानता, शोषण और मनमानी शुल्क वसूली जैसे मुद्दे निरंतर बढ़ते रहेंगे।

भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है। जब राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं देता, तब स्वाभाविक रूप से रिक्त स्थान निजी क्षेत्र भरता हैकृऔर यही से उत्पन्न होती है असमानता, अनियंत्रित शुल्क, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ, और आम व्यक्ति की आर्थिक तबाही।

निजीकरण के विस्तार का दूसरा पहलू यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन तक सीमित नहीं हैय यह स्वास्थ्य नीति, दवाओं की कीमतों, बीमा योजनाओं और सार्वजनिक–निजी भागीदारी की दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। जब स्वास्थ्य एक लाभ आधारित उद्योग बन जाता है, तब उपचार की प्रकृति, लागत, पहुंच और गुणवत्ता सभी बाजार के नियमों के अधीन हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो हो सकता है, पर धरातल पर वह व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाता।

एक और गंभीर समस्या है क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 2010 का कमजोर क्रियान्वयन। जिन राज्यों में यह लागू भी है, वहाँ भी नियमन और पारदर्शिता बेहद कमजोर हैं। मरीजों से मनमाना शुल्क, अनावश्यक जाँचों की सलाह, महंगे पैकेज, और अत्यधिक दरों पर सर्जरी जैसे मुद्दे आम बात हो चुके हैं। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब मरीज की ओर से शिकायत या न्याय पाने की व्यवस्था बेहद कमजोर और अप्रभावी हो।

इसके साथ ही, भारत में आउट–ऑफ–पॉकेट एक्सपेंडिचर अभी भी कुल स्वास्थ्य व्यय का 40: के आसपास है। यानी मरीजों को अपनी जेब से भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। सरकारी बीमा योजनाओं जैसे आयुष्मानकृका उद्देश्य भले ही आर्थिक सुरक्षा देना हो, पर इनके दायरे में आने वाली प्रक्रियाएँ सीमित हैं, और निजी अस्पतालों द्वारा इनका उपयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जाता है। बीमा आधारित मॉडल ने स्वास्थ्य खर्च की जड़ समस्या को हल नहीं किया हैय बल्कि कई बार यह निजी क्षेत्र के लिए नया ग्राहक–स्रोत बन गया है।

असमानता का एक और स्तर सामाजिक बहिष्कार है। दलित, आदिवासी, मुस्लिम, महिलाएँ, ट्रांसजेंडर व्यक्ति, दिव्यांग नागरिक इनके लिए स्वास्थ्य सेवाएँ पाने की राह और भी कठिन है। कई बार सरकारी अस्पतालों में संवेदनशीलता की कमी, भेदभाव, संचार अंतर, या संरचनात्मक बाधाएँ उन्हें गुणवत्तापूर्ण सेवा से वंचित रखती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का अधिकार केवल कानूनी भाषा भर नहीं रहना चाहिए, इसे सामाजिक न्याय की दृष्टि से समझना होगा।

स्वास्थ्य अधिकार को न्यायिक रूप से लागू करना तभी संभव है जब स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत हो। इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य पर ळक्च का कम से कम 5: खर्च होना चाहिए जबकि भारत अभी 2: से भी कम खर्च करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किए बिना, विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ाए बिना, दवाओं और जांचों को सस्ता किए बिना, और स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही मजबूत किए बिनाकृकिसी भी अधिकार का लागू होना केवल सैद्धांतिक रहेगा।

दवाओं की ऊँची कीमतें और दवा कंपनियों का प्रभाव भारत की स्वास्थ्य असमानता का एक अन्य कारण है। लगभग 80: दवाएँ अभी भी मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं। जब तक आवश्यक दवाओं पर सख्त मूल्य नियंत्रण नहीं होगा तथा जनऔषधि प्रणाली का विस्तार नहीं होगा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार महंगी दवाओं के भार तले दबते रहेंगे।

साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों की स्थितियाँ भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अस्थायी नियुक्तियाँ, कम वेतन, कार्यभार का दबाव और असुरक्षित कार्य वातावरणकृये सभी कारक चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तभी संभव है जब सरकार मानव संसाधनों में उचित निवेश करे।

इन सभी परिस्थितियों में, स्वास्थ्य का अधिकार तभी वास्तविक रूप से लागू हो सकता है, जब शासन संरचना अधिक पारदर्शी, विकेंद्रीकृत और जवाबदेह बने। समुदाय आधारित निगरानी तंत्र, जिला स्वास्थ्य समितियों की मजबूती, डिजिटल पारदर्शिता, और शिकायत निवारण के प्रभावी तंत्र यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नागरिक अपने अधिकारों का दावा कर सकें और शासन उन्हें जवाब देने के लिए बाध्य रहे।

नीतिगत परिवर्तन के साथ–साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार लंबी अवधि का कार्य हैय परंतु इसकी शुरुआत तत्काल बजट बढ़ाने, निजी अस्पतालों को सख्त नियामक दायरे में लाने, दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने, तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने से हो सकती है। यह न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक न्यायसंगत बनाएगा बल्कि भविष्य के लिए स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव भी रखेगा।

अंततः, स्वास्थ्य को न्यायिक रूप से लागू करने योग्य बनाना भारत के संवैधानिक दर्शनकृविशेषकर सामाजिक न्याय की पुनर्पुष्टि होगा। लेकिन यह तभी सम्भव है जब सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी मजबूत हो कि वह इस अधिकार को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने में सक्षम हो। यदि राज्य की प्राथमिकताएँ स्वास्थ्य सुरक्षा की बजाय बाजार आधारित मॉडल को बढ़ावा देने में लगी रहेंगी, तो 'अधिकार' शब्द अपनी प्रासंगिकता खो देगा और नागरिकों की पीड़ा बढ़ती जाएगी।भारत को आज यह स्वीकार करना चाहिए कि स्वास्थ्य केवल आर्थिक विकास का फल नहीं, बल्कि मानव गरिमा की बुनियाद है। और जब तक इस बुनियाद को समान रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो रहेगा, पर जनता के जीवन में नहीं।

धुरंधर ने ऐसा क्या दिखाया कि परेशान हुआ पाकिस्तान

—अभिनव आकाश—

'हिंदुस्तानियों का सबसे बड़ा दुश्मन हिंदुस्तानी ही है। पाकिस्तान तो दूसरे नंबर पर आता है' आदित्य धर की फिल्म धुरंधर ने इस वक्त धूम मचाई हुई है। धुरंधर फिल्म ने आते ही ऐसा धमाका किया है कि 5 दिन में 200 करोड़ छाप दिए हैं। ये फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जाती है। इसमें पांच दिग्गज अभिनेताओं ने ऐसे किरदार निभाए हैं जो असली लोगों से इंस्पायर्ड बताए जा रहे हैं। धुरंधर पिछले हफ्ते 5 दिसंबर को रिलीज हुई। उसके बाद से एक बड़ा वर्ग इसकी बहुत तारीफ कर रहा है और अच्छा सिनेमा बता रहा है। इसमें एक सही मुद्दे को लेकर रियलस्टिक ट्रीटमेंट दिया गया है। लेकिन भारत में ही मौजूद कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें इस फिल्म से परेशानी हो रही है। धुरंधर के इस धमाके के बीच एक इकोसिस्टम सुलग रहा है। यह इकोसिस्टम धुरंधर फिल्म के पीछे पड़ गया है। कोई कह रहा है कि यह प्रोपेगेंडा है। कोई कह रहा है कि अरे यह ट्रोल लेवल की फिल्म है। कोई कह रहा है कि फिल्म बनाने वाले ने लिमिट क्रॉस कर दी। यानी धुरंधर में कुछ तो ऐसा दिखाया गया है जो एक इको सिस्टम को परेशान कर रहा है। उन्हें जबरदस्त आग लगी हुई है। सवाल ये है कि पाकिस्तान के आतंकवाद की सच्चाई उन वर्गों को इतनी चुभ क्यों रही है। क्या फिल्म पर भी राजनीति हो सकती है? क्या किसी फिल्म की कहानी पर भी राजनीति हो सकती है और क्या कोई फिल्म भी एक बड़ा मुद्दा बन सकती है। धुरंधर फिल्म ऐसी ही है, जो अभी आई है और वो आते ही एक बड़ा मुद्दा बन गई है उस फिल्म को लेकर बहुत सारे सवाल किए जा रहे हैं। क्या पाकिस्तान का विरोध करना भारतीय मुसलमानों का विरोध करना है? क्या पाकिस्तान के आतंकवाद पर हमला करके, पाकिस्तान को एक्सपोज करके हम भारतीय मुसलमानों पर हमला कर रहे हैं? बिना पासपोर्ट और बिना वीजा के ही पाकिस्तान में घुसकर पाकिस्तान को मार रही है। इसलिए हिंदुस्तान में भी कुछ लोगों को चुभ रही है।

दुनिया भर में लोगों को फिल्म पसंद आ रही है। जबकि फिल्म 3 घंटे 34 मिनट की है। छोटी–मोटी फिल्म नहीं है। सभी कलाकारों की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। फिल्म के एक्शन, बैकग्राउंड, म्यूजिक सब की तारीफ हो रही है। यानी धुरंधर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर साबित हो रही है। और इसकी सबसे बड़ी वजह इसकी कहानी है। फिल्म धुरंधर के सभी मेन कैरेक्टर किसी ना किसी रियल लाइफ किरदार से प्रेरित हैं। फिल्म में रणवीर सिंह ने भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म में रणवीर सिंह का नाम हम अली मजारी है। जो बलोच है और यह आम बॉलीवुड जासूसों की तरह नहीं है। रणवीर सिंह का कैरेक्टर पाकिस्तान में घुसकर भारत की एजेंसियों को खुफिया जानकारी भेजता है। फिल्म में रणवीर सिंह कराची के अंडरवर्ल्ड का हिस्सा बन जाता है और फिर वहां से पाकिस्तान के आतंकी गैंगस्टर सरकार और आईएसआई के गठजोड़ के बारे में भारत जानकारी भेजता है। इसी तरह से फिल्म में माधवन ने इंटेलिजेंस अधिकारी अजय सानियाल का रोल किया है। अजय सानियाल के गेटअप में माधवन को देखकर कोई भी आसानी से कह रहे कह दे रहा है कि अरे यह तो अजीत डोभाल हैं। हालांकि में यह दावा नहीं किया गया है कि अजय सानियाल जो हैं वो अजीत डोभाल के कैरेक्टर से प्रेरित हैं।

70 के दशक में उससे भी पहले बेनजीर भुट्टो के पापा और पाकिस्तान के तत्कालीन सदर जुल्फिकार अली भुट्टो ने लिल्या के लोगों को जमीन से जुड़े अधिकारों में जगह दी थी। तब से यह तय हो गया किरी के लोग अपनी वफादारी भुट्टो परिवार की ओर ही रखेंगे। इसलिए लियारी को भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी पीपीपी का गढ़ माना जाता रहा। उन्हें साथ मिला रहमान बलोच, अब्दुल रहमान बलोच और उसके चचेरे भाई उजैर बलोच का लारी के सबसे बड़े गुंडे और गिरोहबाज शराब बेचने, हथियार बेचने, हफ्ता वसूलने, अपहरण कर फिरौती उठाने, हत्या वगैरह करने जैसे कामों से दोनों भाइयों ने लारी की गलियों में दहशत भर के रखी हुई थी। मुताहिदा कौमी मूवमेंट एमक्यूएम नाम के राजनीतिक मूवमेंट से उन्हें चुनौती मिली। एमक्यूएम और उसके मसलमैन अरशद पप्पू और बलोच गैंग में लफड़े अक्सर होते रहते थे। सब किसी ना किसी नेता से जुड़े हुए थे। पुलिस उन्हें छू भी नहीं सकती थी। ऐसे में एसपी चौधरी असलम को याद किया गया।

इससे पहले कि वह राजनीतिक सफलता की लहर पर सवार हो पाता, अगस्त 2009 में पुलिस के साथ मुठभेड़ में रहमान को गोली मार दी गई। 9 अगस्त 2009 का दिन था। रहमान अपने तीन साथियों औरंगजेब, नजीर और अकील के साथ स्टील टाउन की तरफ जा रहा था। तभी रास्ते में जिले के एसएसपी (एसएसपी) चौधरी असलम खान की टीम ने उसकी कार रोकी। पुलिस टीम का रवैया देखकर रहमान को शक हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रहमान और उसके तीन साथियों औरंगजेब, नजीर और अकील ने पुलिस पर गोलीबारी की। जिसके जवाब में पुलिस टीम ने भी फायरिंग शुरू कर दी। जब गोलियों की आवाज थमी तो ल्यारी का एक अध्याय खत्म हो चुका था रहमान मारा जा चुका था।

फिल्म में पाकिस्तान के असली किरदारों के आधार पर कहानी कही गई है। इसके अलावा फिल्म में पाकिस्तान में भारत के नकली नोट कैसे बनते हैं? इसके बारे में भी बता दिया गया है जिससे कुछ लोग बौखला उठे हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि भारत के नकली नोट आईएसआई के गोदाम में अखबार की तरह छपते हैं। नकली नोट में बिल्कुल असली नोट जैसे सिक्योरिटी फीचर्स होते हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि एक ब्रिटिश फर्म पाकिस्तान को इंडियन करेंसी पेपर और सिक्योरिटी थ्रेड सप्लाई करती है। नकली नोट पहले कतर भेजे जाते हैं। कतर से नेपाल और फिर वहां से भारत भेजे जाते हैं। पाकिस्तान में भारत के नकली नोट छापने का काम आईएसआई और पाकिस्तानी बिजनेसमैन जावेद खनानी करते हैं। जावेद खनानी को भी फिल्म धुरंधर में दिखाया गया है। फिल्म धुरंधर में एक ब्रिटिश फर्म का भी जिक्र किया गया है। लेकिन हकीकत में एक ब्रिटिश कंपनी है जो भारत और पाकिस्तान को करेंसी पेपर और सिक्योरिटी थ्रेड सप्लाई करती थी। उसका नाम है डेलारू। डेलारू कंपनी दुनिया के 140 देशों के साथ काम करती है। करेंसी पेपर सिक्योरिटी फीचर्स की सप्लाई करती है। यही कंपनी भारत को करेंसी पेपर और सिक्योरिटी थ्रेड थ्रेड देती थी और पाकिस्तान को भी यही सारी चीजें सप्लाई करती थी। इसी वजह से डेला रू के ऊपर कई सवाल खड़े हुए।

पनामा पेपर्स में भी डेलार रू का नाम आया और आरोप लगा कि डेल रू ने भारत में ठेका लेने के लिए एक एजेंट को 15: का कमीशन दिया था। साल 2010 में डेलार रू को ब्लैकिस्ट कर दिया गया था। लेकिन 2023 में सीबीआई ने पूर्व वित्त सचिव अरविंद मायाराम के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की और आरोप था कि 2012 में डेलारू के पुराने कॉन्ट्रैक्ट को गलत तरीके से बढ़ाया गया। उस समय अरविंद मायाराम आर्थिक मामलों के सचिव थे। आरोप था कि मायाराम ने नोटों के लिए खास सिक्योरिटी थ्रेड की सप्लाई के लिए गैर कानानूनी तरीके से एक्सटेंशन दिया।

फिल्म में पाकिस्तान और बलूचिस्तान के रिश्ते को भी बहुत बारीकी से उठाया गया है। और एक और डायलॉग है इसमें जिसमें संजय दत्त जो अभिनेता हैं इसमें वो कहते हैं कि मगरमच्छ पर भरोसा कर सकते हैं लेकिन बलोच पर नहीं। और इससे यह साबित होता है कि पाकिस्तान के लोग किस कदर बलोच लोगों से नफरत करते हैं। और फिल्म में भी यही दिखाया कि पाकिस्तान के लोग बलोच लोगों से नफरत करते हैं और कैसे बलूचिस्तान के लोग लगातार पाकिस्तान से आजादी मांग रहे हैं। लड़ रहे हैं आजादी के लिए। और यह इस फिल्म में दिखाया गया है।

यह नया भारत है जो पाकिस्तान के लिए शांति के कबूतर नहीं उड़ाता बल्कि धुरंधर की तरह पाकिस्तान को घर में घुसकर मारता है। और बात रही फिल्म की तो फिल्म अपनी मेरिट के हिसाब से चलती है। फिल्म को बुरी फिल्म को कोई हिट नहीं बना सकता और अच्छी फिल्म को कोई फ्लॉप नहीं कर सकता। धुरंधर जैसी भी फिल्म है चाहे अच्छी है या बुरी है। फिल्म कैसी लगी और फिल्म की जो कहानी है उसमें उन्हें सच्चाई दिखाई दी या नहीं दी।

छह गल्फ कंट्रीज यानी खाड़ी देशों में फिल्म धुरंधर को बैन कर दिया गया है और पाकिस्तान के दोस्त धुरंधर के दुश्मन बन गए हैं। पहला देश बहरेन, दूसरा कुवैत, तीसरा ओमान। इसके अलावा कतर, सऊदी अरब के साथ यूएई ने भी पाकिस्तान को खुश करने के लिए धुरंधर से उचित दूरी बना ली है। वहां पर इस फिल्म को रिलीज नहीं किया जाएगा। फिल्म में दिखाए गए दृश्य पाकिस्तान का दर्द बढ़ा रहे हैं और एक–एक डायलॉग पाकिस्तानी सत्ता के कानों को चुभ रहा है क्योंकि धुरंधर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सच दिखाया गया है। आतंकियों के गढ़ दिखाए गए हैं और भारत के खिलाफ साजिशों वाले संवाद भी हैं।

अदालतों तक पहुंचते जिन्दगी के रिश्ते

—अमरपाल सिंह वर्मा—

उत्तरप्रदेश में बरेली के पारिवारिक न्यायालय के अपर प्रधान न्यायाधीश ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी ने हाल ही में तलाक के एक केस की सुनवाई के दौरान जो टिप्पणी की है, वह समाज मे बदलते पारिवारिक परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है। न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि यदि कोई लडकी शादी के बाद एकांकी जीवन चाहती है तो उसे शादी के बायोडाटा में साफ लिख देना चाहिए कि उसे ऐसा पति चाहिए जो माता–पिता और परिवार की जिम्मेदारियों से मुक्त हो। यह मामला बदायूं के एक युवक और फरीदपुर की युवती से जुड़ा है। दोनों की शादी 2019 में हुई लेकिन युवती सास–ससुर के साथ नहीं रहना चाहती थी। लिहाजा,2020 से अलग रहने लगी। न्यायाधीश ने कहा कि आज कई लोग वृद्धाश्रमों और बंद फ्लैटों में अकेले रह रहे हैं जबकि संयुक्त परिवार अकेलेपन को दूर करता है। अदालत ने पति का तलाक दावा स्वीकार करते हुए दोनों को अलग रहने की अनुमति दे दी और कहा कि जो लड़कियां शादी के बाद संयुक्त परिवार को बोझ समझती हैं, वह पहले ही अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करें क्योंकि यह सोच सामाजिक ताने–बाने को नुकसान पहुंचा सकती है।

एक जज की यह टिप्पणी हमारे घरों के हालात को प्रकट कर रही है। यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं है बल्कि इससे पता चलता है कि हमारे घरों के भीतर क्या बदल रहा है और रिश्तों में कैसी नकारात्मकता पैदा हो रही है। रिश्ते, खासकर ससुराल में, किस प्रकार दरक रहे हैं। एक जमाने में पति–पत्नी के बीच नोक– झोंक सामान्य बात हुआ करती थी मगर आज हालत यह है कि घर में छोटी–मोटी बात पर हुई बहस ही अदालत में पहुंचने लगी। पति–पत्नी की खटपट को पहले घर के बड़े–बुजुर्ग ही सुलझा दिया करते थे, वह अब अदालतों से भी नहीं सुलझ पा रही है। पारिवारिक न्यायालयों में जज के समझाने के बावजूद जोड़े तलाक से कम पर मानते ही नहीं हैं। जाहिर कि समाज एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां रिश्तों को संभालने की कला कमजोर पड़ रही है। हमारे संयुक्त परिवारों वाले पारंपरिक देश और समाज में

यह स्थिति दुःखी करती है।

पहले हमारे यहां दीवारें कम और अपनापन अधिक था लेकिन एकल परिवारों की चाह और चलन ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। नौकरी, कामकाज के सिलसिले में एकल परिवार समझ में आते हैं पर बिना वजह अलग रहने की जिद समझ से बाहर है। इसी जिद के कारण न केवल दादा–पौत्र, बुआ–भतीजे, चाचा–चाची, ताऊ–ताई जैसे रिश्ते खत्म हो रहे हैं बल्कि दाम्पत्य संबंध भी दरक रहे हैं। रिश्तों में जो धैर्य की भावना थी, वह तो कहीं खो गई लगती है। आज पति–पत्नी अपने लिए जगह चाहते हैं तो बुजुर्ग अपनी पुरानी जगह बचाए रखने के ख्वाहिशमंद हैं। दोनों की इच्छाएं ठीक हैं लेकिन टकराव तब शुरू होता है जब कोई भी अपनी जगह से एक कदम पीछे नहीं हटना चाहता। इसी से परिवारों में खाई पैदा हो रही है। बरेली कोर्ट के सामने आया यह मामला असल में उसी अदृश्य खाई का उदाहरण है। पत्नी को लगता है कि पति उसके साथ नहीं खड़ा। पति को लगता है कि पत्नी उसके परिवार को नीचा दिखाना चाहती है। सास–ससुर को लगता है कि बहू उनके घर पर अधिपत्य जमाना चाहती है। ऐसी भावनाएं आना स्वाभाविक है पर जब इस बारे में बात नहीं होती, परस्पर संवाद खो जाता है तो ये आक्रोश के रूप में फूटती हैं। नतीजा, परिवार के बिखराव के रूप में सामने आता है।

न्यायाधीश की टिप्पणी आज के समय की बड़ी जरूरत पर जोर देती है। जब शादी–ब्याह की बात चलती है तो सारी बातें अच्छे से प्रकट नहीं की जातीं। लडकध एकांकी मिजाज की है तो यह बात खुलकर बता दी जानी चाहिए। शुरू में तो ऐसी बातों को या तो छुपा लिया जाता है या छोटा समझ कर बताने की जरूरत ही महसूस नहीं की जाती। बाद में यही छोटी बातें विकराल रूप धारण कर लेती हैं। सोशल मीडिया के दौर में आज हम जीवन को भी वर्चुअल समझ कर जी रहे हैं जबकि लाइफ और मोबाइल स्क्रीन में बुनियादी फर्क है, जिसे समझना होगा। हैरानी होती है, जब घर की समस्या पर परिजनों से संवाद करने के बजाय लोग सोशल मीडिया पर राय मांगते हैं। वहां झट से राय मिल भी जाती है कि झुकना मत। उसे छोड़ दो, अपने लिए जियो।

बड़ा सवाल है कि क्या पारिवारिक रिश्ते यूं ही छोड़े जा सकते हैं? क्या परिवार नामक संस्था को ऐसे ही खारिज किया जा सकता है? इस पर चिंतन करने की जरूरत है। माना, कई बार खटास मूड खराब कर देती है पर जिंदगी चटपटी भी तो होनी चाहिए। थोड़ी देर के लिए अहं को ताक पर रख दिया जाए और थोड़ी बातचीत, नरमी और धैर्य से काम लिया जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। लेकिन अफसोस है हमारे पास अगर सबसे कम कुछ बचा है तो वह धीरज ही है। जल्दबाजी दुर्घटनाओं का कारण बनती है, यह सब जानते हैं पर जल्दबाजी को छोड़ते नहीं हैं। सडकध हो या घर, जल्दबाजी का परिणाम अच्छा नहीं निकलता। जब घर में बात बिगड़ रही हो तो थोड़ा त्याग करने से ही वह बनेगी। खुलकर संवाद ही समस्याओं का समाधान लाएगा। हम खुलेपन की बातें तो करते हैं पर रिश्तों के असली सवालों पर खुलकर बात करने से बचते हैं। यह रवैया समस्याओं को बढ़ा रहा है।

बच्चों के लिए सोशल मीडिया का बैन

—रामस्वरूप रावतसरे—

ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर 2025 से 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया का पूरा बैन लागू हो गया है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टिकटॉक, स्नैपचौट, थ्रेड्स, एक्स, रेडिट, ट्विच और किक जैसे बड़े प्लेटफॉर्म अब बच्चों को अपनी सेवाएँ नहीं दे पाएँगे। सरकार का कहना है कि यह फैसला बच्चों को हानिकारक कंटेंट, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबरबुलिंग और लत लगाने वाले एल्गोरिद्म से बचाने के लिए लिया गया है। कंपनियाँ अगर इन बच्चों को ब्लॉक करने में नाकाम रहीं तो उन पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का भारी जुर्माना लगेगा।

ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने इतना बड़ा कदम उठाया है। सरकार का दावा है कि सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म बच्चों को देर रात तक स्क्रीन से चिपकाए रखते हैं जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा था। कई ऑस्ट्रेलियाई माता–पिता लंबे समय से इसकी शिकायत कर रहे थे कि बच्चे पढ़ाई से दूर हो रहे हैं और कई बार ऑनलाइन बुलिंग या अजीबोगरीब कंटेंट के कारण तनाव झेलते हैं।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने इसे 'ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के बचपन को सुरक्षित करने' का फैसला बताया। उन्होंने कहा कि अगर बच्चे फोन से हटकर खेलेंगे, पढ़ेंगे और दोस्तों से आमने–सामने मिलेंगे तो समाज पर इसका अच्छा असर पड़ेगा। हालाँकि, आलोचकों का कहना है कि सोशल मीडिया को पूरी तरह काटने से कई कमजोर या अलग–थलग रहने वाले बच्चे और भी अकेले हो सकते हैं।

जानकारी के अनुसार बैन की लिस्ट काफी लंबी है और इसमें लगभग सभी बड़े प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इंस्टाग्राम, फेसबुक, टिकटॉक, यूट्यूब, थ्रेड्स, एक्स (पहले ट्विटर), स्नैपचौट, किक, रेडिट और ट्विच। इन कंपनियों को आधी रात से आदेश दिया गया कि 16 साल से नीचे के बच्चों की पहुँच पूरी तरह बंद कर दें। इस मामले में कई कंपनियों ने तुरंत कदम उठाए बताए जा रहे है। सरकार का संदेश साफ है कि अगर बच्चे दिखें, तो कंपनियाँ जवाब देंगी। बच्चे या माता–पिता पर कोई सजा नहीं होगी।

यह बैन तभी काम करेगा जब

सोशल मीडिया कंपनियाँ बच्चों की असली उम्र पहचान सकें। इसी वजह से ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने हर प्लेटफॉर्म को कई लेयर वाला सिस्टम बनाने का आदेश दिया है जो अलग–अलग तरह के संकेतों से उम्र का अंदाजा लगा सके। सबसे पहले, कंपनियाँ एक नए 'एज–सिग्नल सिस्टम' का इस्तेमाल कर रही हैं। इसमें बच्चे की उम्र का पता कई तरह के संकेतों से लगाया जाएगा।

बताया जा रहा है कि सरकार ने पहले ही साफ कर दिया है कि किसी भी यूजर चाहे बच्चा हो या बड़ा, से पासपोर्ट या सरकारी आईडी नहीं माँगी जाएगी। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि लोग अपनी प्राइवेसी को लेकर डर सकते हैं। साथ ही यह भी आसानी से हो सकता है कि कोई बच्चा किसी बड़े की आईडी इस्तेमाल करके सिस्टम को धोखा दे दे। इसी वजह से सोशल मीडिया कंपनियाँ अब थर्ड–पार्टी एजेंसियों की मदद ले रही हैं। ये एजेंसियाँ उम्र की जाँच करती हैं, लेकिन यूजर का डेटा अपने पास नहीं रखतीं। स्नैपचौट उम्र पहचानने के लिए 'के–आईडी' नाम की सर्विस का इस्तेमाल कर रहा है। मेटा यानी फेसबुक और इंस्टाग्राम वाईओटीआई की तकनीक से उम्र की पुष्टि करेगा।

जानकारों के अनुसार बच्चों की इस नए बैन पर प्रतिक्रिया काफी मिली–जुली है। कुछ बच्चे बहुत नाराज हैं और उनका कहना है कि अब वे अपने दोस्तों से जुड़ नहीं पाएँगे। सोशल मीडिया उनके लिए दोस्त बनाने और दोस्तों से संपर्क बनाए रखने का मुख्य तरीका था, इसलिए अचानक यह सुविधा छिन जाने से उन्हें बड़ा झटका लगा है। कुछ बच्चे तो इतना गंभीर रूप से नाराज हैं कि उन्होंने इस फैसले के खिलाफ कोर्ट तक अपना केस दर्ज किया है। उनका तर्क है कि यह नियम उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करता है और उनके सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। दूसरी ओर, कुछ बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल मानसिक रूप से थकान और तनाव बढ़ा देता है। उनके लिए यह बैन शायद अच्छा भी हो सकता है क्योंकि अब वे फोन और स्क्रीन से दूर रहकर अपनी पढ़ाई, खेल और आराम पर ध्यान दे सकते हैं।

ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों को इस बैन से और भी ज्यादा मुश्किल हो रही है। वहाँ वे अक्सर दूर–दराज इलाकों में रहते हैं और सोशल मीडिया ही उनके लिए दोस्तों और बाहरी दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम था। ऐसे बच्चों के लिए यह बदलाव अचानक और चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

यह भी बताया जा रहा है कि इस बैन के असर को समझने के लिए स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता और दुनिया भर के 11 विशेषज्ञ इस पर अध्ययन करेंगे। वे बच्चों की जीवनशैली और व्यवहार पर बैन के प्रभाव को अलग–अलग तरीके से देखेंगे। शोधकर्ताओं की नजर इस बात पर होगी कि अब बच्चे बेहतर नींद ले पा रहे हैं या नहीं। साथ ही यह देखा जाएगा कि क्या बच्चों की पढ़ाई में सुधार हुआ है और वे ज्यादा ध्यान से पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा यह भी देखा जाएगा कि क्या बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ा है, जैसे एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का इस्तेमाल कम हुआ है या नहीं। यह भी देखा जाएगा कि क्या बच्चे अब बाहर जाकर खेलकूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं, यानी शोध का मकसद यह समझना है कि सोशल मीडिया बैन बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य पर किस तरह असर डाल रहा है और क्या इससे उनका बचपन और ज्यादा सुरक्षित और सक्रिय बन रहा है।

बॉर्डर पर फर्जी आधार कार्ड रैकेट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार नेपाल भागने की फिराक में था, एसटीएफ ने दबोचा

संवाददाता–बहराइच। शुक्रवार को फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को एसटीएफ ने रजनवा बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। आरोपी पोर्टल के माध्यम से फर्जी जन्म और निवास प्रमाण पत्र तैयार करके आधार कार्ड बनाने में इस्तेमाल कर रहा था। अब तक उसने बॉर्डर पर ढाई हजार से अधिक लोगों के फर्जी आधार कार्ड बनाने का खुलासा किया है।

यूपी एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाकर लोगों को बेचे जाने की सूचनाएं मिल रही थी। मामले की जांच कराई गई तो पता चला कि मुर्तिहा थाना क्षेत्र में 29 अक्तूबर 2025 को दर्ज मामले में इस रैकेट के कई सदस्य पहले ही पकड़े जा चुके हैं। उनकी पूछताछ में प्रमोद निषाद का नाम प्रमुख रूप से सामने आया था। इस पर साइबर एक्सपर्ट समेत कई टीमों को लगाया गया तो पता चला कि फर्जी आधार कार्ड बनाने के गैंग का सरगना प्रमोद नेपाल भागने की फिराक में है। इस पर टीम ने मुर्तिहा कोतवाली क्षेत्र में घेराबंदी की। शुक्रवार तड़के करीब 4:30 बजे गैंग के सरगना सेमरी मलमला गांव निवासी प्रमोद कुमार निषाद को नेपाल भागने की कोशिश करते समय रजनवा नेपाल बॉर्डर से दबोचा गया। आरोपी प्रमोद के पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन, फर्जी दस्तावेज, बायोमैट्रिक व रेटिना स्कैनर, वेबकैम, चेकबुक, एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, 2680 रुपये नकद तथा एक कार बरामद हुई है। पकड़े गए प्रमोद को भी मुर्तिहा कोतवाली में पहले से दर्ज मुकदमे में शामिल कर दिया गया है।

एएसपी ने बताया कि आरोपी के बैंक खातों और वॉलेट की जांच शुरू कर दी गई है। पोर्टल डेवलपर, आईडी सप्लायर और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। बरामद लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। मामले में और जिन लोगों के नाम सामने आ रहे हैं उन्हें भी पकड़ा जाएगा।

पूछताछ में प्रमोद ने बताया कि उसने वर्ष 2021 में जनसेवा केंद्र खोलकर ऑनलाइन काम शुरू किया। करीब एक वर्ष पहले टेलीग्राम पर उसकी बातचीत अकील सैफी नाम के व्यक्ति से हुई। इसने आधार कार्ड बनाने और डिजिटल प्रमाणपत्र तैयार करने का पोर्टल देने की बात कही। प्रमोद ने 35 हजार रुपये अकील सैफी को फोन पे से भेजकर आईडी–पासवर्ड और पूरा सिस्टम एनी डेस्क के माध्यम से सेट करवा लिया।

एसटीएफ द्वारा पकड़े गए प्रमोद ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से मार्च माह तक उसने करीब 2,500 फर्जी आधार कार्ड बनाए हैं। इसके लिए वह फर्जी तरीके से जन्म, निवास प्रमाणपत्र पोर्टल पर डिटेल डालता था। कुछ ही मिनट में फर्जी प्रमाणपत्र तैयार हो जाते थे। इन्हीं दस्तावेजों का उपयोग करके वह 0द्ध18 वर्ष तक के लोगों के नए आधार कार्ड बना देता था। पुराने आधार में संशोधन भी करता था।

प्रमोद ने स्वीकार किया कि उसने अपने जानने वालों को भी एनी डेस्क के जरिए यह पोर्टल और आईडी–पासवर्ड उपलब्ध कराए। एक आईडी के लिए वह 45 हजार रुपये लेता था। जबकि, 35 हजार रुपये अकील सैफी को देता था। प्रत्येक आईडी से रोजाना 20द्ध25 आधार कार्ड बनाए जाते थे। कुल मिलाकर इस गिरोह द्वारा 18द्ध19 हजार आधार कार्ड अपडेट या तैयार किए गए।

बाबा राघवदास की 129वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता–देवरिया। बाबा राघवदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को महान समाजसेवी और शिक्षा–पुरोधा बाबा राघवदास जी की 129वीं जयंती गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में देवरिया सदर के विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि "बाबा राघवदास किसी जाति, वर्ग या सीमा में बंधे महापुरुष नहीं थे। वे पूरे राष्ट्र के गौरव थे।" उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती समाज को जागृत करने का अवसर होती है, न कि किसी जाति विशेष का उत्सव। उन्होंने महाविद्यालय को ऐतिहासिक, समृद्ध और उच्च स्तरीय बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय बनने के सभी मानकों पर खरा उतरता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि देवरिया जैसे विस्तृत जिले में एक राज्य विश्वविद्यालय का निर्माण होना चाहिए, जिससे हजारों विद्यार्थियों को बेहतर उच्च शिक्षा की सुविधा मिल सके। उन्होंने छात्रों को संघर्ष, अनुशासन और परिश्रम को सफलता की कुंजी बताते हुए प्रेरणा दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपाररानी के प्राचार्य प्रो. सतीश चंद्र गौड़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजसेवा के क्षेत्र में बाबा राघवदास के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि बाबा राघवदास ने क्षेत्र में लगभग 50 विद्यालयों और कई महाविद्यालयों की स्थापना की, जिससे पूर्वांचल में शिक्षा का महत्वपूर्ण विस्तार हुआ। एक अन्य विशिष्ट अतिथि, रामजी सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर के प्राचार्य प्रो. ब्रजेश कुमार पांडेय ने मानवता, परोपकार और सेवा को महानता का वास्तविक आधार माना। उन्होंने कहा कि 1920 में अंग्रेजी शिक्षा के विरोध और गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में बाबा राघवदास की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. नारायण प्रताप सिंह ने कहा कि यह जयंती सिर्फ समारोह नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कृति और सेवा के प्रति नव संकल्पों का दिन है।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और कुलगीत से हुई। मुख्य अतिथियों ने महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अभिव्यक्ति' 2025–26 का विमोचन किया। समारोह में विश्वविद्यालय के गोल्ड मेडलिस्ट सिद्धार्थ यादव, अब्दुल मतलीब और मनीष कुमार यादव को सम्मानित किया गया। जयंती के उपलक्ष्य में निबंध, भाषण, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर और रंगोली सहित कई प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं, जिनमें विजेता छात्रों को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कैरम में अर्पिता, बैडमिंटन में सकीना ने मारी बाजी, कबड्डी में एचएमए इण्टर कॉलेज रहा अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस बसदेवा कुंवर अमारी बाजार के परिसर में शुक्रवार को स्व. हाजी मोहम्मद अमीन के पुण्य तिथि के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ गो सेवा आयोग दर्जा प्राप्त मंत्री महेश शुक्ल और केंद्रीय विद्यालय संगठन के पूर्व प्राचार्य एमडी ओझा ने किया। प्रतियोगिता का समापन विशिष्ट अतिथि हरैया नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह राजू और पूर्व प्रमुख योगेंद्र सिंह ने पुरस्कार वितरण के साथ किया। अतिथियों का स्वागत संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहम्मद शहजाद के नेतृत्व में अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, माल्यार्पण और बैज अलंकरण के साथ किया गया। मुख्य अतिथि का स्काउट टीम द्वारा संगीत और उत्साह के साथ बैंड, ड्रम और अन्य वाद्य यंत्रों से मधुर धुनें बजाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों, आत्म–विश्वास और विपरीत परिस्थितियों से निपटने की सीख देना जरूरी है। कहा कि बच्चों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बल्कि उन्हें सही मंच, सुविधाएं और मार्गदर्शन नहीं मिल पाता, जिससे ये प्रतिभाएँ दब जाती हैं, खेलकूद से बच्चों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास होता है,

–बच्चों में खेल प्रतिभाओं की कमी नही –महेश शुक्ल

आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन–कौशल विकसित होते हैं, इसलिए स्कूलों में इस तरह की प्रतियोगिताएं लगातार होनी चाहिए ताकि ये छिपी प्रतिभाएँ निखर सकें। प्रतियोगिता बैटमिंटन में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम बीएससी नर्सिंग की सकीना प्रथम और एचएमए इण्टर कॉलेज की श्रेनी द्वितीय स्थान पर रहीं। कैरम में बीएससी नर्सिंग की अर्पिता और पलक क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहीं। रस्सी कूद में बीएससी नर्सिंग की शालू पटेल और अनुप्रिया कुशवाहा क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान पर रही। जैवलिन थ्रो में एचएमए इण्टर कॉलेज के मो. इरफान प्रथम और फार्मेसी कॉलेज के पीयूष पाण्डेय द्वितीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में मो. अरमान अंसारी प्रथम और अनुराग द्वितीय स्थान पर रहे। खो–खो बालिका वर्ग में एचएमए इण्टर कॉलेज विजेता और बीएससी नर्सिंग उपविजेता रहा। कबड्डी बालक वर्ग में एचएमए इण्टर कॉलेज विजेता रहा। खेल प्रतियोगिता खेल शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा के निर्देशन में संपन्न हुई। रेफरी की भूमिका में मोहम्मद जमाल, अमितेश सिंह, अमित यादव, विवेक श्रीवास्तव, रमेश चंद्र गुप्ता, दीपक सिंह, सुनील कुमार, राम सिंह रहे। प्रतियोगिता का संचालन खेल शिक्षक अजय कुमार वर्मा ने किया।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष आलम चौधरी, दिवाकर रंजन ओझा, रामसागर, अब्दुल रब, मोहन सिंह, विनीत मिश्र, के एन वर्मा, मोहम्मद शमशाद, रवीश कुमार मिश्र, विवेक कान्त पाण्डेय, मनोज मिश्र, गौरव सिंह, राकेश सिंह, अविनाश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सर्व व्यापी को खोजने की नहीं, पहचानने की आवश्यकता है–मुक्तामणि शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिसका जीवन शुद्ध और पवित्र है उसी को भजनानन्द मिलता है। जो पवित्र जीवन जीता है उसे ही ईश्वर का ज्ञान मिलता है। सुनीति का फल ध्रुव है। जो नीति के अधीन रहेगा उसे ब्रम्हानन्द प्राप्त होता है। यह सद् विचार मुक्तामणि शास्त्री महाराज ने दुर्गा नगर आदर्श परिवार कटरा में तीसरे दिन व्यास पीठ से व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि राजा उत्तानपाद के दो रानियां और दो पुत्र थे, राजा को सुनीति नहीं सुरुचि ही प्यारी थी। सुरुचि का पुत्र राजा की गोद में बैठा था ध्रुव ने भी पिता से अपनी गोद में बिठाने के लिये कहा। ध्रुव को राजा गोद में बिठाये यह सुरुचि को पसन्द नहीं था। राजा ने सोचा की ध्रुव को गोद में बिठाऊंगा तो रानी नाराज हो जायेगी। राजा ने ध्रुव की अवहेलना की और मुख मोड़ लिया। ध्रुव की मां सुनीति ने ध्रुव से कहा कि मांगना ही है तो ठाकुर जी से मागो। मैने तुझे नारायण को सौंप दिया है। जो पिता तेरा मुंह तक नहीं देखना चाहता उसके घर पर रहना निरर्थक है। ध्रुव अपनी विमाता से भी आशीर्वाद लेकर वन की ओर चल पड़ा। महात्मा जी ने कहा कि 5 वर्ष के बालक ध्रुव को माता सुनीति तप के लिये भेजती है और आज कल की मातायें पुत्रों को सिनेमा देखने के लिये भेजती है।

ध्रुव तपस्या का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि बालक माता के दोष के कारण चरित्रहीन, पिता के दोष के कारण मूर्ख, वंश दोष के कारण कायर और स्वयं दोष के कारण दरिद्र होता है। अधिकारी शिष्य को मार्ग में ही गुरू मिल जाते हैं। परमात्मा और सद्गुरू

–9 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

दोनो व्यापक है। सर्व व्यापी को खोजने की नहीं, पहचानने की आवश्यकता है। नारद जी की प्रेरणा से भक्त ध्रुव ने वृन्दावन में यमुना नदी के तट पर मधुवन में उपासना आरम्भ किया। भक्त ध्रुव ने घोर तपस्या किया और जब देवगण ने नारायण से प्रार्थना किया कि आप ध्रुव कुमार को शीघ्र दर्शन दीजिये तो भगवान ने देवो से कहा मैं ध्रुव को दर्शन देने नहीं स्वयं ध्रुव का दर्शन करने जा रहा हूं। ध्रुव को दर्शन देते हुये भगवान ने कहा तू कुछ कल्पो के लिये राज्य का शासन कर इसके पश्चात तुझे अपने धाम में ले चलूंगा। महात्मा जी ने कहा कि परमात्मा जिसे अपना बनाता है शत्रु भी उसकी बन्दना करते हैं। जो ईश्वर से सम्बन्ध जोड़ लेता है जगत उसी के पीछे दौड़ने लगता है। राजा उत्तानपाद ने पुत्र ध्रुव को गले से लगा लिया और माता सुनीति को लगा कि आज ही वह पुत्रवती हुई है क्योंकि उसका पुत्र भगवान को प्राप्त करके आया है। ध्रुव ने भगवान की शरणागति स्वीकार किया तो भगवान ने उनको दर्शन, राज्य और वैकुण्ठवास भी दिया। श्रीमद्भागवत कथा के कम में आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष राकेश कुमार पाण्डेय आदि ने विधि विधान से कथा व्यास का पूजन अर्चन किया। श्रोताओं में मुख्य रूप से भगवान प्रसाद तिवारी, , रामचंद्र वर्मा, फूल चंद्र पांडेय, सर्वेश यादव, करीम खान कृष्ण मणि ओझा, जितेन्द्र पांडेय, विशाल ओझा, विवेक, बबलू यादव, यश पाण्डेय, सतीश चन्द्र मिश्र, राजेन्द्र सिंह, सुनील कुमार आर्या, राजेन्द्र पाण्डेय, रामचन्द्र वर्मा, कृष्ण कुमार तिवारी, दिनेश पाण्डेय 'बब्लू', सर्वेश यादव, राकेश पाण्डेय पिन्टू, उपेन्द्र पाण्डेय, जितेन्द्र पाण्डेय, अमरेन्द्र उपाध्याय, बुद्धि सागर 'बब्लू' के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलायें, भक्त शामिल रहे।

10 पेटी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। श्रीरामपुर थाने की पुलिस ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के टोला अहिबरन राय के समीप से बाइक सवार एक व्यक्ति को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से दस पेटी अवैध शराब बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा अपराध की रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे अभियान के दौरान श्रीरामपुर थाना की पुलिस ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के टोला अहिबरन के पास से बाइक पर शराब लाद कर बिहार जा रहे एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो बोरी में 10 पेटी अवैध शराब बंटी बबली बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान तस्कर की पहचान बिहार सीवान जिला के नौतन थाना क्षेत्र के ग्राम ठाकुर के रामपुर निवासी नितेश कुमार यादव पुत्र जय प्रकाश यादव के रूप में हुआ है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विपिन यादव, का. श्रवण प्यारे, का0 अजीत यादव आदि मौजूद रहे।

मौजूदा दौर में की मांग है कृत्रिम बुद्धिमत्ता में दक्षता –प्रो. रवि शंकर

संवाददाता–गोंडा। शहर के एलबीएस पीजी कॉलेज के ललिता समागार में शुक्रवार को व्यापार एवं अर्थव्यवस्था के भविष्य को संवारता एआई, उद्यमिता एवं सतत विकास विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता में दक्षता वर्तमान समय की मांग बन चुकी है। उन्होंने कहा कि व्यापार एवं अर्थव्यवस्था के भविष्य को संवारने में एआई की अहम भूमिका है। कुलपति रविशंकर सिंह ने उद्यमिता एवं सतत विकास पर प्रकाश डालते हुए भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कहा एआई में दक्ष होकर युवा पीढ़ी भारतवर्ष को विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्य अतिथि प्रो. संजय मेधावी एक्स रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ विश्वविद्यालय ने उद्यमिता, सतत विकास में भारत के बढ़ते कदम पर अपने विचार रखे। लखनऊ विश्वविद्यालय के अनुप सिंह अध्यक्ष डामा , न्यूजीलैंड, ट्रिपल आईआईटी प्रयागराज प्रो. रणजीत सिंह एवं केएमसी लैंग्वेज यूनिवर्सिटी लखनऊ के प्रो नीरज शुक्ला ने एआई बेस्ड ऑन आईकेएस पर अपना व्याख्यान दिया। आइक्यूएसी के समन्वयक व इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के संयोजक प्रो. जितेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र भेंट कर किया। सेमिनार की संयोजक डॉ. शैलजा सिंह ने मुख्य विषय की रूपरेखा पर प्रकाश डाला वही डॉ. स्मृति शिशिर ने मंच संचालन किया। इस दौरान प्रो. राजीव अग्रवाल, प्रो. संजय पांडेय, प्रो. मंशाराम , प्रो. अभय श्रीवास्तव, प्रो. जितेंद्र पाल, प्रो. शशिबाला, प्रो. जयशंकर तिवारी, प्रो. अरविंद कुमार शर्मा, डॉ. रेखा शर्मा ,डॉ.चमन कौर, डॉ. संतोष श्रीवास्तव, शिशिर त्रिपाठी, डॉ. वंदना भारतीय, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. स्मिता सिंह, डॉ. मुक्ता टंडन का सहयोग सराहनीय रहा।

निलंबित बीएसए अतुल तिवारी को राहत नहीं, याचिका खारिजः लखनऊ हाईकोर्ट ने सरकार को 2 सप्ताह में आरोप पत्र देने के निर्देश दिए

संवाददाता–गोण्डा। जिले के निलंबित बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अतुल कुमार तिवारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से राहत नहीं मिली है। जस्टिस मनीष माथुर की खंडपीठ ने उनकी बहाली और निलंबन रद करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। हालांकि, कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को कुछ महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। खंडपीठ ने सरकार को निर्देश दिया है कि निलंबित ठै। अतुल कुमार तिवारी को अभी तक आरोप पत्र क्यों नहीं दिया गया है।

कोर्ट ने आदेश दिया कि सरकार और जांच कमेटी दो सप्ताह के भीतर अतुल कुमार तिवारी को आरोप पत्र सौंपे। आरोप पत्र मिलने के बाद उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए कम से कम 15 दिन का समय दिया जाए।अतुल तिवारी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में दलील दी थी कि वह वास्तव में फर्नीचर खरीद के उद्देश्य से गठित समिति के सदस्य थे। वह निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल एकमात्र व्यक्ति नहीं थे। उनके अधिवक्ता ने यह भी कहा कि कार्रवाई के प्रत्येक चरण में संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की स्वीकृति ली गई थी, इसलिए यह कहना गलत है कि अतुल तिवारी व्यक्तिगत रूप से कार्य कर रहे थे। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि अतुल तिवारी पर लगाया गया एकमात्र आरोप लापरवाही का है, जो सेवा नियमों के तहत कदाचार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी नियमावली 1999 के नियम 4 का उल्लंघन है। अधिवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि नीमन सीटिंग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड ने पहले जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं दिया था और फिर उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की गई थी। उनके द्वारा की गई शिकायत के आधार पर अतुल तिवारी के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई वास्तव में दुर्भावनापूर्ण है। हालांकि, सरकार के अधिवक्ता असीत श्रीवास्तव ने अतुल तिवारी के अधिवक्ता की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि कमेटी ने जो भी निर्णय लिया है। वह दस्तावेज उनके द्वारा ही उपलब्ध करवाए गए थे। इसी आधार पर कमेटी द्वारा निर्णय लिया गया था और एक विशेष फॉर्म के अनुरूप बनाए गए थे इसीलिए उनके ऊपर आरोप लगाया गया और इसीलिए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

दोनों अधिवक्ताओं की दलीलों को सुनने के बाद जस्टिस मनीष माथुर ने कहा कि निलंबन आदेश को चुनौती देने के चरण में न्यायालय के लिए तथात्मक पहलुओं की जांच करना और उसे पर निष्कर्ष करना अनुचित होगा जो की जांच का विषय होगा। जस्टिस मनीष माथुर ने माना कि अतुल तिवारी को अभी तक आरोप पत्र नहीं दाखिल किया गया है।

जस्टिस मनीष माथुर ने सरकार और जांच कमेटी को निर्देश दिया है कि शीघ्रता से दो सप्ताह के अंदर निलंबित बीएसए अतुल कुमार तिवारी को आरोप पत्र जारी किया जाए और आरोप पत्र पर जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए। जवाब मिलने के बाद 4 महीने के अंदर इस पूरे मामले का निस्तारण जांच कमेटी द्वारा किया जाए। जस्टिस मनीष माथुर ने कहा कि मेरिट के आधार पर याचिका पर निर्णय लिया गया है और अब इसे यहां से समाप्त किया जाता है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ने छेड़ा नशा मुक्ति का अभियान, एलईडी रथ करेगा जागरूक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के साईं का पुरवा, कूढ़ाद्ध केशवपुर (दर्शन नगर) केंद्र से भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या को नशामुक्त बनाने का व्यापक अभियान शुरू किया गया है। संस्था का संदेश है कि रामराज्य की संकल्पना तभी साकार हो सकती है, जब भारत ही नहीं बल्कि विश्व का प्रत्येक व्यक्ति नशे से दूर रहकर अपने मूल स्वरूप एवं कर्तव्यों को पहचाने।अभियान का नेतृत्व कर रहे बीके मुकेश ने बताया कि जन–जन तक जागरूकता पहुँचाने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। इसी क्रम में एक एलईडी युक्त विशेष रथ तैयार किया जा रहा है, जिसे चलते–फिरते म्यूजियम का रूप दिया जा रहा है। इसमें नशा मुक्ति से संबंधित विस्तृत जानकारियों के साथ–साथ ध्यान (मेडिटेशन) की विधियाँ भी प्रदर्शित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को आसानी से संदेश मिल सके। अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे रवि भाई ने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान लंबे समय से नशा मुक्ति पर कार्य कर रहा है। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने भी संस्था को पत्र जारी कर स्कूलों में जागरूकता शिविर आयोजित करने को कहा है। उन्होंने बताया कि कई बच्चे, अभिभावक और यहाँ तक कि कुछ शिक्षक भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में शिविरों के माध्यम से उन्हें सही दिशा दिखाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विंटर वेकेशन समाप्त होने के बाद 15 जनवरी से स्कूलों में शिविर शुरू किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे राधेश्याम भाई ने बताया कि विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, जागरूक नागरिकों और स्थानीय लोगों की मदद से यह जानकारी जुटाई जा रही है कि किन इलाकों में नशे का प्रचलन अधिक है और कितने लोग इसकी चपेट में हैं। इस आधार पर व्यक्तिगत और सामूहिक परामर्श देकर उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नया एलईडी रथ इस जागरूकता अभियान का महत्वपूर्ण साधन साबित होगा।संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. बनारसी लाल शाह (जनरल सेक्रेटरी, मेडिकल बीइंग ब्रह्माकुमारी) तथा परमपिता ब्रह्मा कुमार ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से शीघ्र ही अयोध्या सहित पूरा क्षेत्र नशा मुक्त बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगा।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की पत्नी के प्लॉट पर संजय सिंह ने बनाई लोहे की फैक्टरी, किराए पर चलता था कारखाना

संवाददाता–देवरिया। आद्यौगिक क्षेत्र के जिस बी–2 नंबर के प्लॉट को नूतन ठाकुर ने खरीदा था, वह उस समय खाली था। प्लॉट का आवंटन लेने वाले रामजनक शर्मा इसे सरेंडर करने के लिए उद्योग विभाग का चक्कर लगा रहे थे। वहीं नूतन ठाकुर ने भी तीन साल बाद ही इसे सरेंडर करने के लिए विभाग को मौखिक सूचना दी थी। इसके बाद साल 2003 में नूतन ठाकुर ने 618 वर्ग मीटर के इस प्लॉट शराब कारोबारी संजय सिंह को बेच दिया था। संजय सिंह उस समय इसी इलाके में किराए की जमीन पर एक फैक्टरी संचालित कर रहे थे। जमीन मिलने के बाद उन्होंने पक्का निर्माण कराकर अपना कारखाना स्थापित किया। करीब पांच साल पहले यह मामला चर्चा में आया था। नब्बे के दशक में हर जिला मुख्यालय और बड़े कस्बों में उद्योग विभाग की तरफ से इंडस्ट्रियल एस्टेट बनवाया गया था। देवरिया में भी पूरवा चौराहे के पास इस क्षेत्र के लिए जमीन आवंटित हुई थी। इस क्षेत्र में कुछ बड़ी फर्मों ने अपने कारखाने लगाने के लिए जमीन आवंटित कराई थी।

इन प्लॉटों के बीच एक बड़ा पार्क है, जिसके दूसरी तरफ उपायुक्त उद्योग का दफ्तर है। इस पार्क के सामने ही प्लॉट नंबर बी–2 है। यह प्लॉट नूतन ठाकुर के नाम से गलत तरीके से आवंटित करने का मुद्दा पांच साल पहले उठा था। तब विभाग ने जांच कराई तो यह बात सामने आई कि जिले से पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर का ट्रांसफर होने के बाद पत्नी नूतन ठाकुर ने प्लॉट सरेंडर करने के लिए उद्योग विभाग को मौखिक सूचना दे दी थी।

उस समय संजय सिंह भी लोहे का छोटा कारखाना चलाते थे। वह कारखाना किराए की जमीन पर था। संजय सिंह ने भी प्लॉट के लिए विभाग में संपर्क किया तो जमीन उपलब्ध होने का आश्वासन मिला था। इसी बीच उन्हें किसी ने बताया कि पार्क के सामने स्थित बी–2 को नूतन ठाकुर सरेंडर करने वाली हैं।

विभागीय नियमों के अनुसार प्लॉट सरेंडर होने पर उसे दोबारा आवंटन के लिए लॉटरी या फिर वरियता क्रम को आधार बनाया जाता। इसमें प्लॉट किसी दूसरे को भी मिलने की संभावना होती। इससे बचने के लिए नूतन ठाकुर और संजय सिंह के बीच ही विभागीय लोगों ने हस्तांतरण की प्रक्रिया को पूरा करा दिया। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर मार्च 1998 से मार्च 2000 तक देवरिया के एसपी रहे थे। प्लॉट पर अपनी फर्म का नाम आने के बाद संजय सिंह ने वहां पहले टिनशेड और फिर पक्का निर्माण करा लिया। किराए पर चल रहे कारखाने को भी इसमें शिफ्ट कर दिया। हालांकि वर्ष 2010 आते–आते संजय सिंह का खुद का कारोबार दिल्ली शिफ्ट हो गया और इसी के साथ प्लॉट नंबर बी–2 पर लगा कारखाना भी अधिकतर बंद रहने लगा। इस संबंध में उपायुक्त उद्योग एस. सिद्धकी ने कहा कि मामले से जुड़ी जो भी जानकारी मांगी गई थी, वह सब उपलब्ध करा दिया गया है।

बत्ती लगी गाड़ी से जमाता था भौकाल, एसडीएम को थप्पड़ मारा, 4 राज्यों में फैला था नेटवर्क, फर्जी आईएएस की कहानी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में सरकारी विभागों में टेंडर दिलाने का झांसा देकर ठगी के आरोपी फर्जी आईएएस ललित किशोर उर्फ गौरव कुमार सिंह का नेटवर्क चार राज्यों में फैला हुआ था। पुलिस के मुताबिक, 40 से अधिक लोग ठगी के शिकार हुए हैं। फर्जी आईएएस सफेद लग्जरी गाड़ी पर लाल–नीली बत्ती लगाकर सरकारी अफसर की तरह गांव और शहरों में निरीक्षण करता था। बिहार के भागलपुर में असली एसडीएम से सामना होने पर उसने उनके रैंक और बैच पूछने पर दो थप्पड़ तक मार दिए थे। इसके बावजूद एसडीएम ने शर्मिंदगी के चलते शिकायत दर्ज नहीं कराई। इसका पर्दाफाश पुलिस की जांच में हुआ। पुलिस की पूछताछ में गौरव ने बताया कि वह अपने साले अभिषेक कुमार की मदद से सोशल मीडिया पर खुद को आईएएस अफसर के रूप में प्रमोट करता था। अभिषेक के दोस्त परमानंद गुप्ता से पहचान होने के बाद यूपी में उसका नेटवर्क तेजी से बढ़ा। बीते तीन साल में उसने यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड में बिल्डरों और कारोबारियों को सरकारी काम दिलाने का झांसा देकर पांच करोड़ रुपये और दो इनोवा कारें तक ठग लीं। गौरव ने पुलिस को बताया कि एक साल तक अंडरग्राउंड रहने के दौरान उसने बिहार के सीतामढ़ी के रीगा निवासी प्रीति को प्यार के जाल में फंसाकर घर से भगा लिया और मंदिर में शादी कर ली।

पैसे की जरूरत पड़ी तो अभिषेक के साथ मिलकर नौकरी और सरकारी टेंडर दिलाने का फर्जी रैकेट खड़ा कर दिया। अभिषेक सॉफ्टवेयर जानता था और सीतामढ़ी में उसकी पकड़ मजबूत थी, जिससे गौरव के लिए फर्जी पहचान बनाना आसान हो गया। उसने बताया कि पहले वे जालसाजों से नकली आईडी और कागज बनवाते थे लेकिन एआई आने के बाद अखबारों की कतरन, टेंडर और सरकारी दस्तावेज मिनटों में तैयार करने लगे। पिछले तीन वर्षों में उसने यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड के कई बिल्डरों और कारोबारियों को सरकारी टेंडर दिलाने का झांसा देकर पांच करोड़ रुपये और दो लक्जरी कारें तक ठग लीं।

गौरव ने स्वीकार किया कि आईएएस की फर्जी प्रोफाइल से उसकी कई लड़कियों से दोस्ती हुई और उसने चार गर्लफ्रेंड बना लीं। पुलिस को उसके फोन से लंबी चौट मिली, जिसमें पता चला कि तीन लड़कियां गर्भवती हैं और उन्हें गौरव की शादीशुदा जिंदगी व असली पहचान की जानकारी तक नहीं थी। गौरव अपने साथ 10–15 लोगों का दल रखता था। कुछ सुरक्षा में और कुछ सरकारी फाइलें लेकर चलते थे ताकि माहौल असली अफसर जैसा दिखे। गोरखपुर के भटहट इलाके के एक सरकारी स्कूल में उसने निरीक्षण भी किया था। जब एक शिक्षक ने सवाल पूछे तो उसे बताया था कि केंद्र सरकार ने 18 जिलों का निरीक्षण सौंपा है। बिहार के मोकामा निवासी व्यापारी मुकुंद माधव के पांच करोड़ रुपये फंसने के बाद वह लगातार गौरव पर दबाव बना रहा था। इसके डर से गौरव लखनऊ छोड़कर गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र में किराए के मकान में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहने लगा। घर के बाहर आईएएस गौरव कुमार का बोर्ड लगा था।

पड़ोसी रामप्रीत, आकाश और सरोजनी यादव ने बताया कि गौरव का व्यवहार तो सामान्य था, लेकिन उसके घर के बाहर अक्सर असलहा लिए गार्ड और चार–पांच गाड़ियां खड़ी रहती थीं, जिससे मोहल्ले में उसका रौब बना रहता था। पड़ोसी अजय के मुताबिक, उसके गार्ड असम और कोलकाता के थे। उसके रहन–सहन और चाल–ढाल से कभी नहीं लगा कि वह एक बड़ा जालसाज है। गौरव उर्फ ललित बड़े नेटवर्क में काम करता था। कई दस्तावेज और फोन डेटा में नए फैक्ट मिले हैं। उसकी जालसाजी की पूरी परतें खोलने के लिए बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क किया गया है। जल्द ही गिरोह के अन्य गुर्गे भी पुलिस को गिरफ्त में होंगे।–अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

सरकारी विभागों में 200 करोड़ रुपये का टेंडर दिलाने का झांसा देकर बिहार निवासी युवक से दो करोड़ रुपये की ठगी करने वाले फर्जी आईएएस ललित किशोर उर्फ गौरव कुमार, उसके साले और एक अन्य साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिहार के सीतामढ़ी मेहसौल का रहने वाला यह जालसाज लंबे समय से यूपी, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में नेटवर्क बनाकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर चुका था। टीम ने तीनों के कब्जे से 4.15 लाख रुपये नकद, बड़ी मात्रा में ज्वैलरी, एटीएम–पासपोर्ट, लैपटॉप, मोबाइल और एआई तकनीक से तैयार कूटरचित दस्तावेज बरामद किए। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में ललित के साले अभिषेक कुमार और गोरखनाथ क्षेत्र के लच्छीपुर निवासी परमानंद गुप्ता भी शामिल हैं। यह गिरोह झुगिया बाजार में बने एक आलीशान दफ्तर से ठगी का जाल फैलाता था, जहां बाहर आईएएस गौरव कुमार की नेम प्लेट, सरकारी पट्टिकाएं और हूटर लगी गाड़ियां खड़ी रहती थीं। साथ में 10–12 लोग बाडीगार्ड की तरह खड़े रहते थे। इसी तामझाम से लोग आसानी से विश्वास में आ जाते थे। यहीं नहीं ललित किशोर कई निजी स्कूलों में निरीक्षण कर चुका था और कई आयोजनों में चीफ गेस्ट बनकर शामिल हुआ था, जिससे उसकी विश्वसनीयता और बढ़ गई थी। 4,15,500 लाख रुपये कैश, भारी मात्रा में सोने–चांदी के आभूषण, पासपोर्ट, एटीएम, पासबुक–चेकबुक, लैपटॉप, मोबाइल, फर्जी आईडी कार्ड, मोहरें, नेम प्लेट, एआई आधारित कूटरचित अनुमोदन पत्र, टेंडर डॉक्यूमेंट।

विद्युत शिविर से 1.38 लाख की वसूली

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के तिलगड़िया विद्युत उपकेंद्र के मड़हली गांव में शुक्रवार को एक विद्युत शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बिजली के बकाया बिलों की वसूली की गई, जिससे कुल 1 लाख 38 हजार रुपये जमा हुए।

एसडीओ मोहम्मद वाहिद की मौजूदगी में आयोजित इस कैंप का नेतृत्व जेई आरिफ खान ने किया। शिविर में उपभोक्ताओं की बिल संशोधन संबंधी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

विद्युत कैंप में उपभोक्ताओं की लंबी भीड़ दिखाई दी। कुछ उपभोक्ताओं ने विभाग से बिल जमा करने के लिए समय मांगा, जबकि अन्य ने अपने बिलों में सुधार करवाकर भुगतान किया।

जेई आरिफ खान ने बताया कि 19 उपभोक्ताओं ने एकमुश्त समाधान (व्जे) योजना के तहत अपने बिजली के बिलों का भुगतान किया। इसके अतिरिक्त, अधिक बिल बकाया होने और भुगतान न करने के कारण 7 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे गए।

इस अवसर पर विभाग के सुशांत, संजय कुमार, राजकुमार, कादिर, मैनुद्दीन, तव्वाब और अशोक पाण्डेय सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ऑटो में छूटे लाखों के जेवर और नगदी बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। ट्रैफिक पुलिस ने अपनी सतर्कता और तकनीक की मदद से एक युवक का कीमती सामान 24 घंटे में खोज निकाला। शुक्रवार को यातायात कार्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय ने पूरे मामले की जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक आठ दिसंबर को लक्ष्मण नाम का युवक मुंबई से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचा था। एयरपोर्ट से उसने निचलौल जाने के लिए एक ऑटो लिया और विश्वविद्यालय चौराहे पर उतर गया। जल्दीबाजी में वह अपना ट्रॉली बैग ऑटो में ही भूल गया। बैग में 3/4 लाख रुपये के जेवर और 4,000 रुपये नकद सहित और भी जरूरी सामान था।

जब ट्रैफिक पुलिस को सामान खोने की सूचना मिली तब आइटीएम सेल सक्रिय हो गई। शहर के प्रमुख चौराहों पर लगे कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में उस ऑटो की पहचान हो गई जिसमें युवक यात्रा कर रहा था। पुलिस जब ऑटो चालक के पास पहुंची, तो उसने पहले सामान मिलने से मना कर दिया लेकिन सख्ती के बाद पूरा सामान बरामद कर लिया गया और सुरक्षित रूप से लक्ष्मण जायसवाल को सौंप दिया। लक्ष्मण जायसवाल ने कहा, बैग खोने के बाद मैंने उम्मीद छोड़ दी थी कि मेरा सामान वापस मिलेगा।

लेकिन गोरखपुर ट्रैफिक पुलिस ने बैग बरामद कर लिया।एसपी ट्रैफिक ने बताया कि शहर के ज्यादातर बड़े चौराहों पर कैमरे लगे हुए हैं। कहीं कहीं सड़क पर निर्माण कार्य के चलते कैमरे नहीं लग सके हैं यहां भी काम पूरा होने के बाद कैमरे लगा दिए जाएंगे।

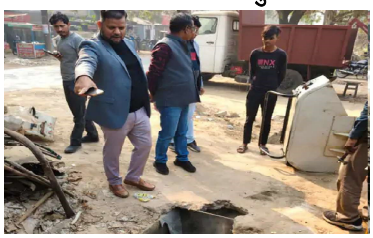

उप जिलाधिकारी ने विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया घटिया सामग्री मिलने पर भुगतान रोकने का निर्देश दिया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जलालपुर नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद, शुक्रवार को उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री और लापरवाही पाई गई, जिस पर उप जिलाधिकारी ने तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

नगपुर रोड पर नाली निर्माण की जांच में घटिया ईंटें, कमजोर मसाला और निम्न स्तर का काम पाया गया। उप जिलाधिकारी ने मौके पर ही इसमें सुधार करने का निर्देश दिया और संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई की बात कही।

मालीपुर रोड स्थित होंडा एजेंसी के सामने बनी नाली और पटिया की जांच में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। पटिया को तुड़वाकर देखने पर उसमें घटिया सामग्री का उपयोग मिला, जिसके बाद इस निर्माण कार्य की भुगतान पत्रावली रोक दी गई।

इसी प्रकार, मालीपुर रोड की उत्तरी पटरी पर नाला निर्माण के दौरान भी कमजोर पटिया मिली। इसे मौके पर ही तुड़वाकर गुणवत्ता की जांच की गई। गुणवत्ता खराब पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से भुगतान रोकने का आदेश दिया गया।

मोहल्ला आसीपुर में शिवपूजन के मंदिर से विजय बहादुर के घर तक हो रहे मिट्टी भराई और खड़ंजा कार्य में भी गंभीर लापरवाही उजागर हुई। खड़ंजा ठीक से नहीं लगाया गया था और मिट्टी भराई भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थी। इस कार्य का भुगतान भी रोक दिया गया है।

उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने बताया कि निर्माण कार्यों को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर यह सघन निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कई अधिशासी अभियंताओं व ठेकेदारों के भुगतान रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

नायब नाजिर हीरालाल निलंबित

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। टांडा तहसील में कार्यरत नायब नाजिर हीरालाल को निलंबित कर दिया गया है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने यह कार्रवाई पत्रावलियों को समय पर प्रस्तुत न करने और काम टालने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की है। हीरालाल के खिलाफ आम जनता के साथ–साथ उप जिलाधिकारी ने भी कई बार समय पर कार्य करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, उनके कार्य–व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। इन शिकायतों के मद्देनजर, हीरालाल के पटल का निरीक्षण किया गया, जिसमें उनकी कार्यप्रणाली में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान कई ऐसे मामले प्रकाश में आए, जो उनकी लापरवाही को दर्शाते हैं। एक मामले में स्वर्गीय चंद्रशेखर की पत्नी शीला के अवकाश नगदीकरण और अन्य देयकों से संबंधित आवेदन 29 अप्रैल 2025 को प्रस्तुत किया गया था। इस पत्रावली पर नायब तहसीलदार ने 29 मई 2025 को हस्ताक्षर किए थे, लेकिन इसे लगभग 25 महीने तक तहसीलदार या उप जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया। अंततः, कई बार मांगने के बाद यह पत्रावली 15 अगस्त 2025 को प्रस्तुत की गई। इसी तरह स्वर्गीय आशाराम वर्मा की पत्नी शीला के अवकाश नगदीकरण और अन्य देयकों से संबंधित आवेदन 28 अप्रैल 2025 की पत्रावली पर भी नायब तहसीलदार ने 29 मई 2025 को हस्ताक्षर किए थे। यह पत्रावली भी लगभग 25 महीने तक उप जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई और 15 अगस्त 2025 को कई बार अनुरोध के बाद ही पेश की गई। अन्य मामलों में तहसील टांडा के चपरासी वेद प्रकाश की संशोधित वेतन पत्रावली को देर से प्रस्तुत करने के लिए उप जिलाधिकारी टांडा ने 26 जून 2025 को हीरालाल को अंतिम चेतावनी दी थी। इसके अतिरिक्त, 25 अगस्त 2025 को पटल निरीक्षण के दौरान, आवेदक रणजीत के शिकायती प्रार्थना पत्र पर राजस्व निरीक्षक बसखारी की आख्या 03 जून 2025 के बाद भी उसे किसी उच्चाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया था।

करही में चौपाल,सचिव ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याए

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियावां ब्लॉक की ग्राम पंचायत करही में शुक्रवार को चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत सचिव अलाउद्दीन ने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को सुना।

इस दौरान उन्होंने पेयजल, सड़क, आवास, सफाई और सरकारी योजनाओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं को सुना। सचिव ने इन समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

सचिव अलाउद्दीन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जा रहा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीणों की हर शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

इस चौपाल में प्रधान प्रतिनिधि अदील अहमद, सेराज अहमद, हबीबुर्रहमान, शमशाद अहमद, मो. आमिर, कमलेश, राम सेवक सहित पंचायत के अन्य जिम्मेदार लोग भी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को खुलकर साझा किया और उनके शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई।

शीतलहर के साथ छाया घना कोहरा, बढ़ी ठंड

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में शुक्रवार को भी शीतलहर का असर दिखा। घने कोहरे की वजह से हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। विजबिलटी घट कर 20 मीटर से कम आ गई। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तापमान में कमी के वजह से शाम होते ही सन्नाटा पसरने लग रहा है। हालांकि इस प्रकार का मौसम गेहूं की फसल के लिए बेहतर माना जा रहा है। दिसम्बर के महीने को कड़ाके की ठंडक के लिए जाना जाता है। दिसम्बर माह के प्रथम पखवारे में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया। देर रात से ही हल्का कोहरा छाने लगा था।

रात बढ़ती गई तो कोहरा उतना ही अधिक पड़ता गया। विजविलटी कम होने की वजह से हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई। वाहन रेंगते हुए नजर आए। डीपर का प्रयोग करने के साथ ही तेज हार्न का सहारा लेकर वाहनों को चलाया जाता रहा। ताकि सामने से कोई वाहन न आ रहा हो। भोर से लेकर दिन में नौ बजे तक हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। नौ बजे के बाद कोहरा छंटने पर यातायात सामान्य हो सका। कड़ाके की ठंड की वजह से लोगों को सो कर उठने में भी आलस लगता रहा। बच्चें हो या फिर बूढ़े सभी देर में बिस्तर से बाहर आए। ठंडक का आलम यह है कि रात नौ बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। शाम होते ही बाजारों में चहलकदमी थम सी गई। खरीदार नदारद रहे। आठ बजे के बाद से ही दुकानें बंद होने लगी। ठंडक अधिक होने के कारण स्कूली बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बच्चे कांपते हुए स्कूल गए। आटो रिक्शा से जाने वाले बच्चों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। नरेन्द्र देव कृषि विवि कुमारगंज अयोध्या के मौसम वैज्ञानिक डा. अमरनाथ मिश्र ने कहा कि आगामी 24 घंटों के दौरान जिले में हवाएं पश्चिमी चलेंगी।

अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाईः प्रशासन-पुलिस ने अवैध अतिक्रमण से टीन सेट और कब्जा हटाए

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शुक्रवार शाम शोहरतगढ़ कस्बे के बाजार में प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। एसडीएम विवेकानंद मिश्र, सीओ मयंक द्विवेदी, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) और थाना प्रभारी नवीन सिंह की संयुक्त टीम ने पुलिस बल के साथ पूरे बाजार में पैदल मार्च करते हुए कब्जे हटवाए।

लंबे समय से कई दुकानदार अपनी दुकानों के आगे टीन सेट, लकड़ी के तख्ते और अन्य सामान लगाकर सड़क और फुटपाथ पर कब्जा किए हुए थे। इन अतिक्रमणों के कारण बाजार का बड़ा हिस्सा संकरा हो गया था, जिससे आए दिन जाम लगता था और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी होती थी। अभियान से पहले प्रशासन ने दुकानदारों को टीन सेट हटाने की चेतावनी दी थी। चेतावनी के बावजूद कई लोगों ने कब्जा नहीं हटाया, जिसके बाद जेसीबी की मदद से अवैध रूप से लगाए गए टीन शेड, तख्ते और फड़ियों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान बाजार में अफरा–तफरी का माहौल दिखा और कई दुकानदार हड़बड़ी में अपना सामान समेटते नजर आए। इस अभियान में प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह ने बाजार में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और टीम के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दुकानदारों से संवाद करते हुए साफ चेताया कि दोबारा टीन सेट या किसी भी प्रकार का अतिक्रमण किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम विवेकानंद मिश्र ने कहा कि सड़कें जनता के लिए होती हैं और किसी भी तरह का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं सीओ मयंक द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। स्थानीय नागरिकों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है।

लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटते ही सड़कें चौड़ी दिखाई देने लगी हैं और जाम की समस्या से तुरंत राहत मिली है। प्रशासन और पुलिस की टीम की यह संयुक्त कार्रवाई कस्बे में व्यवस्था सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2024
धारा 30 (2)
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
उपेन्द्र कुमार आदि
बनाम
सरकार
1. ओम प्रकाश पुत्र परमात्मा प्रसाद
2. जय प्रकाश पुत्र परमात्मा प्रसाद
3. राम प्रकाश पुत्र परमात्मा प्रसाद
4. विजय प्रकाश पुत्र परमात्मा प्रसाद
5. शान्तनु कुमार पुत्र परमात्मा प्रसाद
6. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी बाबूराम
7. श्रीमती सुरपता पत्नी मथुरा निवासीगण ग्राम सरदहा शुक्ल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–12–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–C202317000000975
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
शम्भू सिंह
बनाम
अमीरूल्लाह आदि
1. अमीरूल्लाह 2. हकीमुल्लाह 3. रहमतुल्लाह पुत्रगण अजीमुल्लाह साकिनान मौजा खैरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. राज्य सरकार उत्तर प्रदेश सरकार जरिये जिलाधिकारी बस्ती
–उत्तरवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–12–2025

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 12 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–52/97
राम प्रताप
बनाम
सर्वजीत आदि
2/1 विजय तिवारी 2/2 अनिल कुमार पुत्रगण कुलदीप 2/3 श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व0 कुलदीप 2/4 श्रीमती पूनम 2/5 श्रीमती पुष्पा 2/6 श्रीमती अनीसा पुत्रीगण स्व0 कुलदीप निवासीगण ग्राम खगरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–01–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 02 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 11 माह 12 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–660/94
राजा लक्ष्मेश्वर सिंह आदि
बनाम
राम प्रसाद आदि
2/1 मिटठू 2/2 बुद्धू पुत्रगण महावीर 2/3 श्रीमती ठकुरी देवी पत्नी महावीर 3/1 पप्पू 3/2 सुरेश पुत्रगण हरीराम 3/3 श्रीमती मैना देवी पत्नी हरीराम निवासीगण मोहल्ला लोहराबारी बस्ती खास तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–12–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–661/94
श्रीमती अरूणा कुमारी आदि
बनाम
राम प्रसाद आदि
2/1 मिटठू 2/2 बुद्धू पुत्रगण महावीर 2/3 श्रीमती ठकुरी देवी पत्नी महावीर 3/1 पप्पू 3/2 सुरेश पुत्रगण हरीराम 3/3 श्रीमती मैना देवी पत्नी हरीराम निवासीगण मोहल्ला लोहराबारी बस्ती खास तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–12–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com